क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 27, मंगलवार, 19 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

पुलवामा हमले के बाद व्हाट्सएप्प पर फैली नोएडा में आतंकी गतिविधियों की अफवाह, पुलिस हुई सतर्क

नोएडा:

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में 14 जनवरी को हुए आतंकी हमले के बाद पूरा देश गम में डूबा है. पूरा देश हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों को श्रद्धांजलि दे रहा है. पुलवामा में हुए इस हमले के बाद जनता में गुस्से और दुख के भाव साफ देखे जा सकते हैं. वहीं सोशल मीडिया पर भी इसका असर साफ देखा जा सकता है. कोई सरकार से कड़े से कड़े कदम उठाने की मांग कर रहा है तो कोई घटना के प्रति शोक व्यक्त कर रहा है. इसी बीच सोशल मीडिया पर इन दिनों एक व्हाट्सएप मैसेज और वीडियो काफी वायरल हो रहा है. दरअसल, यह वीडियो और मैसेज एक अफवाह है, जिसमें कहा गया है कि नोएडा में हाई अलर्ट घोषित है और पूरे नोएडा में धारा 144 लागू है. D-Mart में आतंकवादी बॉम्ब फिट करते हुए पकड़ा गया है. सभी थानों की पुलिस को निर्देश जारी किया गया है कि वह अपने इलाके के महत्वपूर्ण जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दें और संदिग्धों पर नजर बनाए रखें.'

वहीं इस मैसेज के साथ ही एक वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें कुछ पुलिसवाले एक संदिग्ध को ले जाते दिख रहे हैं. हालांकि जब लोगों ने इस वीडियो को ध्यान से देखा तो सभी को यह पता चल गया कि यह किसी और राज्य का वीडियो है और यह काफी पुराना भी है, लेकिन इस तरह के Fake मैसेजेस और Videos के जरिए माहौल जरूर गंभीर हो गया. वहीं इस मामले में नोएडा पुलिस का कहना है कि यह गलत वीडियो है, जो गलत मैसेज के साथ शेयर किया जा रहा है. इसे गंभीरता से न लें. यहां इस तरह की कोई घटना नहीं घटी है.

वैसे यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की गलत और झूठी अफवाहें फैली हों, इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं घट चुकी हैं, जब किसी और किसी गलत वीडियो के साथ किसी गलत मैसेज को शेयर किया जा चुका है. बता दें यह वीडियो पुलवामा में हुए आतंकी हमले के ठीक बाद शेयर किया गया है, जिसके बाद से इस वीडियो और मैसेज के चलते पहले तो कई लोग सोच में पड़ गए, लेकिन बाद में फिर लोगों को समझ आ गया कि यह एक गलत वीडियो है जो गलत मैसेज के साथ शेयर किया जा रहा है.

TMC सांसद शांतनु सेन को अज्ञात लोगों ने जान से मारने की दी धमकी

कोलकाता:

तृणमूल कांग्रेस के सांसद शांतनु सेन ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें पिछले कई दिनों से कई अज्ञात लोगों से जान से मारने की धमकी मिल रही है. सेन ने हालांकि धमकी देने के कारणों की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी. उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सप्ताह से ये धमकियां काफी बढ़ गईं हैं जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया. गौरतलब है कि कृष्णगंज से पार्टी के विधायक सत्यजीत बिस्वास को नदिया जिले के फुलबारी गांव में सरस्वती पूजा पंडाल में कुछ अज्ञात लोगों ने नौ फरवरी को सरे आम गोली मार दी थी. सेन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' पिछले करीब डेढ़ महीने से कुछ अज्ञात फोन नंबरों से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं.

एक राजनेता होने के नाते शुरुआत में, मैने इसे नजअंदाज किया, लेकिन पिछले कुछ सप्ताह में ऐसे फोन कॉल काफी बढ़ गए हैं.'' सेन ने कहा, '' मेरे परिवार वालों और शुभचिंतकों ने मुझे पुलिस को इसकी जानकारी देने की सलाह दी. इसलिए, मैंने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई.'' सेन उत्तरी कोलकाता और इसके उपनगर में तृणमूल कांग्रेस के एक प्रमुख नेता हैं. तृणमूल नेतृत्व ने हाल ही में पार्टी के जिला अध्यक्षों से उनके जिलों के विधायकों और महत्वपूर्ण नेताओं की सुरक्षा स्थिति के बारे में रिपोर्ट मांगी थी. विधायकों की सुरक्षा बढ़ाने के अलावा, जिले के नेता चुनाव से पहले संगठन के प्रमुख लोगों को अतिरिक्त सुरक्षा भी प्रदान कर रहे हैं.

पुलवामा आतंकी हमला: पाकिस्तान ने अपने हाई कमिश्नर को इस्लामाबाद वापस बुलाया

पुलवामा हमले के मद्देनजर पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसरिया को भी विचार विमर्श के लिये नई दिल्ली वापस बुलाया गया है.

इस्लामाबाद.

पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ने के मद्देनजर पाकिस्तान ने भारत स्थित अपने उच्चायुक्त को 'सलाह मशविरा करने के लिए' वापस बुला लिया है. अधिकारियों ने यहां सोमवार को यह जानकारी दी. वरिष्ठ अधिकारियों ने यहां बताया कि पाकिस्तान ने सलाह मशविरा करने के लिये सोमवार को भारत से अपने उच्चायुक्त को वापस बुला लिया. पुलवामा हमले के मद्देनजर पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसरिया को भी विचार विमर्श के लिये नई दिल्ली वापस बुलाया गया है. पिछले बृहस्पतिवार को पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले के लिये भारत ने पाकिस्तान समर्थित जैश-ए-मोहम्मद को जिम्मेदार ठहराया है.

इससे पहले भारत स्थित पाकिस्तान के उच्चायुक्त सोहेल महमूद को शुक्रवार को नई दिल्ली में विदेश सचिव विजय गोखले ने तलब किया था और पुलवामा की घटना में 40 सीआरपीएफ जवानों के मारे जाने पर महमूद के समक्ष कड़ा विरोध जताया था. विदेश सचिव ने पाकिस्तानी उच्चायुक्त से कहा था कि पाकिस्तान जैश ए मोहम्मद के खिलाफ तत्काल एवं प्रमाणिक कार्रवाई करें. उन्होंने उनसे कहा कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियां चलाने वाले संगठनों एवं लोगों को तत्काल रोके.

भारत ने पाकिस्तानी उच्चायुक्त को तलब कर ''डिमार्शे'' जारी किया

इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ एक बड़े कूटनीतिक अभियान के तहत भारत ने आतंकवाद को राजकीय नीति के माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने में पाकिस्तान की भूमिका को जोर-शोर से सामने रखने के लिए पी 5 देशों- अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस समेत 25 देशों के दूतों के साथ एक ब्रीफिंग की.

इस हमले के आलोक में पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने का निश्चय करने के बाद सरकार ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संपर्क करने का कदम उठाया. ज्यादातर देशों ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित पाकिस्तान के जैश ए मोहम्मद संगठन के इस हमले की स्पष्ट तौर पर निंदा की है. चीन ने जैश ए मोहम्मद द्वारा पुलवामा में किये गये इस हमले पर गहरा दुख प्रकट किया लेकिन उसने भारत को यह आश्वासन नहीं दिया कि वह इस संगठन के प्रमुख मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादियों की सूची में डालने में भारत की अपील का समर्थन करेगा.दुनियाभर से कई देशों ने इस हमले की निंदा की है. अमेरिका, ब्रिटेन, रुस और फ्रांस ने कहा कि वे दुख की इस घड़ी में भारत के साथ हैं. इस हमले की निंदा करते हुए रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा कि इस हमले के षड़यंत्रकारियों को इंसाफ के कठघरे में लाया जाना चाहिए. उन्होंने भारत के साथ आतंकवाद निरोधक सहयोग और मजबूत करने के प्रति अपने देश का सहयोग दोहराया.

कश्मीरी डॉक्टर को शहर छोड़ने की मिली धमकी, सरकार ने दी सुरक्षा

डॉक्टर ने बताया कि 15 फरवरी को उनके घर लौटने के बाद 20 से 25 वर्ष की आयु के पांच व्यक्ति उसके घर पहुंचे और उन्हें तुरंत शहर छोड़ने की धमकी देते हुए कहा

कोलकाता:

कोलकाता में 22 वर्ष से रह रहे एक कश्मीरी डॉक्टर ने दावा किया है कि पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद उसे शहर छोड़ने या फिर ''गंभीर परिणाम'' भुगतने की धमकी दी जा रही है. डॉक्टर ने हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार के उसके बचाव में आने के बाद वहीं रहने का निर्णय लिया है. नाम उजागर ना करने के अनुरोध पर डॉक्टर ने बताया कि उन्हें तंग किया गया, लेकिन उसने शुरुआत में धमकियों पर कोई ध्यान नहीं दिया. लेकिन चिंता तब बढ़ गई जब कुछ लोगों ने उनके घर के बाहर इकट्ठे होकर उनके पाकिस्तान ना जाने पर उनकी बेटी को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी.

उन्होंने बताया कि पुलवामा हमले के एक दिन बाद 15 फरवरी को उनके (डॉक्टर के) घर लौटने के बाद 20 से 25 वर्ष की आयु के पांच व्यक्ति उसके घर पहुंचे

और उन्हें तुरंत शहर छोड़ने की धमकी देते हुए कहा, '' पाकिस्तान वापस जाओ क्योंकि कश्मीरियों के लिए इस देश में कोई जगह नहीं है.'' डॉक्टर ने कहा कि इस बार धमकी गंभीर लगी और उन्होंने शहर छोड़ने का मन बना लिया, लेकिन उन्होंने इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार से सम्पर्क करने का फैसला लिया.

उन्होंने कहा, '' मैंने सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री को मामले की जानकारी देने का फैसला किया और फेसबुक पर एक पोस्ट डाली. मैंने मुख्यमंत्री के फेसबुक पेज पर भी एक संदेश छोड़ा. '' अगले दिन, डॉक्टर को पश्चिम बंगाल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की प्रमुख का फोन आया और उन्होंने उन्हें मदद का आश्वासन दिया.

पश्चिम बंगाल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष अनन्या चक्रवर्ती से सम्पर्क करने पर उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि डॉक्टर के परिवार को कोई तकलीफ ना हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए गए हैं. चक्रवर्ती ने बताया कि डॉक्टर और उनके परिवार को 24 घंटे पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई गई. निकटवर्ती पुलिस थाने के अधिकारी नियमित रूप से उन्हें फोन कर उनकी सलामती भी सुनिश्चित करते हैं.

सुषमा स्वराज के सामने सिंगर ने गाया भजन...मंत्री ने पुलवामा पर रखी PM मोदी की बात

रबात.

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रों में सामरिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए अफ्रीकी देश मोरक्को की यात्रा पर हैं. रविवार को वहां भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से उन्होंने मुलाकात की. उस दौरान मोरक्को के गायक नस्र मेगरी (**Nasr Megri**) ने विदेश मंत्री के समक्ष महात्मा गांधी का प्रसिद्ध भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए गाया.

इस दौरान सुषमा स्वराज ने कहा, "यह मेरी पहली मोरक्को यात्रा है. मैं यहां भारी दिल के साथ आई हूं. मैं 16 तारीख को विदेश यात्रा के लिए निकली और 14 तारीख को हमारे 40 जवान पुलवामा में शहीद हो गए. सभी राजदूत सोच रहे थे कि मैं यह यात्रा रद कर दूंगी. मैंने भी सोचा कि मुझे यह यात्रा रद कर देनी चाहिए. मैंने जब ये बात प्रधानमंत्री को बताई तो उन्होंने जो कहा, वह मैं आपसे साझा करना चाहती हूं. उन्होंने कहा, "मोरक्को हमेशा आतंकवाद के खिलाफ खड़ा हुआ है. आतंकवाद को रोकने के लिए वह हमारे साथ समझौता करने जा रहा है. वह रेडिकलाइजेशन के खिलाफ लड़ रहा है. इस कारण कृपया वहां जाइए. उनसे सहमति जताते हुए, मैं यहां आई."

तीन देशों की यात्रा

इससे पहले विदेश मंत्री सुषमा स्वराज रविवार को बुल्गारिया से मोरक्को की राजधानी रबात पहुंचीं, जहां वह देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकात करके आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रों में सामरिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा करेंगी. स्वराज बुल्गारिया, मोरक्को और स्पेन तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं. इस यात्रा का मकसद तीनों देशों के साथ भारत के संबंधों के मजबूत करना तथा सहयोग के क्षेत्रों को बढ़ाना है.

कुछ यूं CISF के इंस्पेक्टर ने बचाई यात्री की जान, अब हर जवान को मिलेगा CPR का प्रशिक्षण

नई दिल्ली. 11 फरवरी को पंकज सिंह मुंबई जाने के लिए वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचे थे. उन्हें जेट एयरवेज की फ्लाइट 9डब्ब्यू-3520 से मुंबई रवाना होना था. प्री-इंबार्केशन सिक्योरिटी प्वाइंट एरिया में पंकज सिंह अपना सामान सुरक्षा जांच के लिए एक्स-रे में रख रहे थे, तभी वे बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े.

मौके पर मौजूद सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर नीरज कुमार को समझने में देर नहीं लगी कि पंकज सिंह को दिल का दौरा पड़ा है. उन्होंने तुरंत पंकज सिंह को

सीपीआर थेरेपी दी. इंस्पेक्टर नीरज कुमार की थेरेपी का नतीजा था कि पंकज सिंह को होश आ गया. जिसके बाद उन्हे शहर के प्रज्ञा हास्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई. इस तरह, वाराणसी एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर नीरज कुमार की सूझबूझ से एक मुसाफिर की जान बचा ली गई. वाराणसी एयरपोर्ट की यह घटना एकलौती नहीं है, जिसमें समय रहते सीआईएसएफ के जवानों ने सीपीआर देकर किसी मुसाफिर की जान बचाई हो. इस तरह की घटना पहले भी दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट में देखी गई हैं. जिसमें समय रहते, सीपीआर थेरेपी के जरिए सीआईएसएफ कर्मियों ने कई मुसाफिरों की जान बचाई थी.एयरपोर्ट सहित सीआईएसएफ की सुरक्षा जद में आने वाली कई यूनिट्स में लगातार इस तरह की घटनाएं देखी जा रही है. जिसमें काम या यात्रा के दौरान लोगों को अचानक दिल का दौरा पड़ रहा है. ऐसे स्थिति में पीड़ित की जान बचाने के लिए सीआईएसएफ ने अपने हर जवान को सीपीआर थेरेपी का प्रशिक्षण देने का फैसला किया है. सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सीपीआर का प्रशिक्षण चरणवद्ध तरीके से सीआईएसएफ के सभी जवानों और अधिकारियों को दिया जाएगा.

गुजरात : पाटीदार आरक्षण नेता कथेरिया 2015 के देशद्रोह मामले में गिरफ्तार

सूरत: पाटीदार अनामत आंदोलन समिति के नेता अल्पेश कथेरिया को 2015 में अमरोली थाने में दर्ज देशद्रोह के मामले में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया. सूरत के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) आर आर सरवैया ने बताया कि कथेरिया को यहां के नजदीक वेलांजा गांव से गिरफ्तार किया गया. मामला 2015 में पीएएएस की तरफ से आयोजित आरक्षण आंदोलन से जुड़ा हुआ है जिसके तहत सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में पाटीदार समुदाय के लिए आरक्षण की मांग की गई थी.

पुलिस ने अदालत को बताया था कि पार्किंग को लेकर हुए विवाद में कथेरिया ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया था जिसके बाद सूरत की एक अदालत ने 15 जनवरी को उनकी जमानत रद्द कर दी थी. जमानत रद्द करने के खिलाफ कथेरिया की याचिका गुजरात उच्च न्यायालय में लंबित है. पुलिस ने कहा कि कथेरिया एक दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए गांव गया हुआ था जहां उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

हार्दिक पटेल लड़ सकते है चुनाव

गुजरात के पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण एक बयान में कहा कि वह केंद्र की तरफ से सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को

सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 10 प्रतिशत का आरक्षण दिए जाने से संतुष्ट हैं. पटेल ने कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं. पटेल ने बुधवार को आईएएनएस से कहा, मैं गैर-पिछड़े वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण के निर्णय से खुश हूं, लेकिन पहले इसे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत करने दीजिए. उन्होंने कहा, लेकिन, इसके साथ ही, पाटीदार अनामत आंदोलन समिति (पीएएएस) का आंदोलन तबतक जारी रहेगा, जबतक यह आरक्षण वास्तविक अर्थों में लागू नहीं होता और पाटीदार (पटेल) युवाओं को वास्तव में इससे फायदा नहीं होता.पटेल ने लखनऊ से टेलीफोन पर कहा, मेरी प्राथमिकता पाटीदारों के लिए सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण है. हम सर्वणों के लिए केंद्र से आरक्षण के संबंध में घोषणा पाने में सफल हुए हैं लेकिन हम सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इसे स्वीकृत किए जाने तक इंतजार करेंगे.उन्होंने कहा कि आरक्षण के अलावा, उनकी मुख्य मांग चार वर्ष पहले के आंदोलन में पाटीदारों के खिलाफ दर्ज पुलिस केस वापस लेना और उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करना है, जिन्होंने हमारे युवाओं पर अत्याचार किया था.लखनऊ की रैली में आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हां, मैं चुनाव लड़ सकता हूं, लेकिन अभी इस दिशा में कोई खास कदम नहीं उठाया गया है. यह पूछे जाने पर कि वह गुजरात में कहां से चुनाव लड़ सकते हैं, उन्होंने कहा, अरे बॉस, कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है. आप मीडियाकर्मी यही पूछते रहते हैं कि मैं चुनाव लडूंगा या नहीं. मेरा जवाब है कि हो सकता है, लेकिन अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है.पटेल ने कहा कि पहले वह उम्र के कारण संवैधानिक रूप से चुनाव लड़ने के योग्य नहीं थे, लेकिन जुलाई 2018 में 25 वर्ष के हो जाने के बाद अब वह चुनाव लड़ सकते हैं. क्या वह सौराष्ट्र क्षेत्र के अमरेली सीट से चुनाव लड़ सकते हैं, इस पर उन्होंने कहा, कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है, आप वही प्रश्न पूछ रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के विरुद्ध उनकी लड़ाई जारी रहेगी. पटेल ने कहा, युवाओं के लिए नौकरियों के अलावा, मैंने किसानों के लिए भी लाठी खाई है जो कॉरपोरेट सेक्टर के पक्ष में सरकार की असंतुलित नीतियों की वजह से मुसीबत में हैं.

युवक ने लगाए 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे, गुस्साई भीड़ ने जमकर की पिटाई

ग्रामीणों की पिटाई के बाद नारेबाजी करने वाले किशोर ने बताया कि गांव के ही रमन नाम के शख्स ने शराब पिलाकर उसे यह कार्य करने के लिये उकसाया था. जिसके बाद शराब के नशे में उसने यह काम किया.

जींद:

जींद जिले के सफीदों उपमंडल के गांव अंटा में एक नाबालिग मुस्लिम किशोर द्वारा कथित तौर पर हिंदुस्तान मुर्दाबाद-पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने का मामला सामने आया है. आरोपी अपनी परचून की दुकान पर बैठकर वीडियो भी बना रहा था और बाद में उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. पुलिस मामले में जांच कर रही है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद तनाव की स्थिति बन गई और लोग उसकी दुकान के सामने लोग इकट्ठा हो गए. नाराज लोगों ने उक्त किशोर की पिटाई कर दी. ग्रामीणों की पिटाई के बाद नारेबाजी करने वाले किशोर ने बताया कि गांव के ही रमन नाम के शख्स ने शराब पिलाकर उसे यह कार्य करने के लिये उकसाया था. जिसके बाद शराब के नशे में उसने यह काम किया.

वहीं मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देश विरोधी नारेबाजी करने वाले किशोर को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है. इस मामले में एएसपी अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि पुलिस के संज्ञान में पूरा मामला आ चुका है और नारेबाजी करने और करवाने वाले दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है. उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है.बता दें जंतर-मंतर पर भी एक युवक को कथित तौर पर भारत विरोधी नारे लगाने के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलवामा आंतकी हमले के विरोध में यहां जंतर मंतर पर एक प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर 'भारत-विरोधी' नारेबाजी करने को लेकर लोगों ने एक 28 वर्षीय एक कश्मीरी व्यक्ति की पिटाई कर दी. सूचना मिलने के बाद व्यक्ति को बाद में हिरासत में ले लिया गया. व्यक्ति की पहचान आबिद हुसैन के रूप में की गई है जो शनिवार को कश्मीर से आया था.पुलिस ने बताया कि हुसैन जंतर मंतर पर था जहां कथित तौर पर भारत विरोधी नारेबाजी को लेकर लोगों ने उसकी पिटाई कर दी. पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) मधुर वर्मा ने बताया कि उसे हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ की जा रही है. उन्होंने बताया कि हुसैन ने शराब पी रखी थी.

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुये सीआरपीएफ के जवानों के परिवार वालों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों के लोग रविवार को इंडिया गेट और जंतर मंतर पर एकत्र हुए.

संपादकीय

लोकप्रियतावादी

बैठक से निकला संदेश देश के लिए अत्यंत ही राहतकारी है। आम धारणा के विपरीत पार्टियों ने या तो खुलकर कहा कि पुलवामा हमले मामले में हम सेना और सरकार के साथ हैं या कुछ ने न बोलने की रणनीति अपनाई। राजनीति के तीखे विभाजन और खासकर आम चुनाव के पूर्व के वातावरण में यह सामान्य बात नहीं है। वास्तव में हमले के बाद से ही हमारे राजनीतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व ने पूरी जिम्मेवारी का परिचय दिया है। एक दिन पहले तक का संतप्त और हमला-प्रति हमला का वातावरण एकजुटता में परिणत हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपील की थी कि ऐसे समय हमें छींटाकशी से बचनी चाहिए। जाहिर है, इसके बाद सरकार की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। अगर सारे दल उसके साथ हैं और सबने कार्रवाई के लिए सहमति दी है तो उसे आगे बढ़ना चाहिए। इसके एक दिन पहले सुरक्षा मामले की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक हुई थी। सरकार की ओर से सभी दलों के नेताओं को उसमें लिए गए निर्णयों से अवगत कराया गया होगा। उनसे वे सूचनाएं भी शेयर की गई होंगी जो इस हमले के बारे में सरकार को प्राप्त हुई थीं। चूंकि इस बैठक में सुरक्षा बलों के शीर्ष अधिकारी भी शामिल थे, इसलिए उन्होंने भी अपनी योजना या सोच से नेताओं को अवगत कराया होगा। ऐसे मामलों में भविष्य की रणनीति को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। पर यह अच्छा है कि सरकार ने आगे बढ़ने के पहले सभी दलों का विास हासिल करने का कदम उठाया। यह सिलसिला आगे भी जारी रहनी चाहिए। कोई निर्णय हो तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलाकर उसकी जानकारी देनी चाहिए और उनका सुझाव भी मांगना चाहिए। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और चुनावी प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन देश की रक्षा-सुरक्षा के प्रति राजनीति हमेशा आत्मघाती होती है। इस बैठक से केवल पाकिस्तान नहीं, दुनिया को यह संदेश गया है कि भारत की सारी पार्टियां आतंकवाद से मुकाबले को तैयार हैं। इससे अन्य देशों को भी अपनी नीति-निर्धारण में सुविधा होगी। अब मुख्य सवाल आगे की कार्रवाइयों का है। सभी दलों को पता है कि जम्मू-कश्मीर केन्द्रित सीमा पार आतंकवाद के विरु द्ध लड़ाई न आसान है और न एक-दो दिनों इस पर विजय पाई जा सकती है। पर देश उम्मीद करता है कि चाहे कार्रवाइयां जितनी लंबी खींचे, देश को उस दौरान जितनी भी क्षति हो राजनीतिक दल संतुलन और एकता बनाए रखेंगे।

मोस्ट फेर्वड नेशन

पाकिस्तान को दिया गया मोस्ट फेर्वड नेशन यानी सबसे ज्यादा वरीयता प्राप्त देश का दर्जा वापस ले लिया है। इसके गहरे और गंभीर आशय हैं। वर्ल्ड ट्रेड आर्गनाइजेशन के नियमों के तहत यह दर्जा कारोबार करनेवाले देश एक दूसरे को देते हैं। भारत ने यह दर्जा पाकिस्तान को 1996 में ही दे दिया था, पर पाकिस्तान ने एमएफएन का दर्जा भारत को कभी नहीं दिया। इस दर्जे के वापस लिये जाने का क्या आशय है, यह इससे भी समझा जा सकता है कि 2016 में उरी हमले के बाद भी पाकिस्तान को दिया गया यह दर्जा वापस नहीं लिया गया था। अब पाक से आयात होनेवाले आइटमों पर 200 प्रतिशत का आयात कर लगेगा। यानी पाकिस्तान से भारत को माल बेचनेवालों की मुश्किलें बढ़ेंगी, क्योंकि उनके आइटम बढ़े हुए आयात कर के चलते महंगे हो जायेंगे। भारत को पाकिस्तानी कारोबारियों ने 2017-18 में करीब 3482 करोड़ रु पये का निर्यात किया था। पाकिस्तान से भारत को आनेवाले आइटमों में ताजा फल, सीमेंट, चमड़ा शामिल है। भारत मुख्यत: कपास और आर्गनिक रसायन का निर्यात पाकिस्तान को करता है। कुल मिलाकर एमएफएन का दर्जा वापस लिये जाने का भारत के लिए आर्थिक असर बहुत ज्यादा नहीं है क्योंकि भारत-पाक कारोबार का परिमाण ज्यादा नहीं है।

भारतीय कार्रवाई का गहरा राजनीतिक संदेश है। वह यह कि भारत का सब्र अब चुक गया है। ग्लोबल आशय यह है कि तमाम देश यह समझें कि पाकिस्तान की हरकतें ऐसी हैं कि उसे विश्व में अलग-थलग कर दिया जाये। भारत को कूटनीति से विश्व की तमाम जिम्मेदार संस्थाओं को इस बात के लिए तैयार करना होगा कि पाकिस्तान को मुकम्मल तौर पर आतंकी मुल्क माना जाये। यह हुआ तो पाकिस्तान में आनेवाला विदेशी निवेश बंद होगा। पाकिस्तान से कारोबार करने में देश कतराएंगे। आर्थिक नाकेबंदी का एक परिणाम यह संभव है कि वहां के सत्तातंत्र पर काबिज सेना-आईएसआई-आतंकी गठजोड़ अपनी आतंकी नीति में कुछ बदलाव करे। यह काम आसान नहीं है, पर इसकी ठोस शुरु आत एमएफएन दर्जा वापस लिये जाने से हो चुकी है। इसके अतिरिक्त भारत पाकिस्तान के साथ हुई तमाम जल संधियों पर भी पुनर्विचार कर सकता है। इससे पाक पर नये सिरे से दबाव पड़ सकता है।

सत्संग

प्रकृति

प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों की अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और सम्पन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृ ति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है। उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का एक सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व सम्पन्न रह सकता है तथा समाज में भी वैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। नैतिकता इसीलिए आवश्यक है कि अपने हितों को साधते हुए उन्हें सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी आगे बढ़ने दिया जाए। एक व्यक्ति बेइमानी करता है और उसके देखा-देखी दूसरे व्यक्ति बेइमानी करने लगे तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जायेगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अंतर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपनाकर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी किया जा सकता है। अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें और किसी को कोई हानि न हो, प्रत्युत लाभ ही मिलें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है और इससे सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े, तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जायेगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा और उसकी वस्तुएं छीन लेगा और ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर व्यक्ति दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई हैं। धर्म, कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की एक कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अन्तरात्मा की साक्षी ले ली जाय। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धक-धक् करने लगता है। ऐसा प्रतीत होता है कि कोई उसे इस कार्य के लिए रोक रहा है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए।

जनता का आक्रोश

``भारत माता की जय' तथा ``वंदे मातरम' का सामूहिक नारा भी इन्हें अंधराष्ट्रवाद लग रहा है। क्या यह अंधराष्ट्रवाद है? अंधराष्ट्रवाद पश्चिम द्वारा दिए गए शब्द जिंगोइज्म का हिन्दी अनुवाद है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है जैसा बताया जा रहा है। अंधराष्ट्रवाद के अंदर बिना किसी कारण के अपने देश को सबसे बेहतर मानने का गुमान तथा दूसरे राष्ट्रों से घृणा,उनका विरोध तथा उन पर हमला करने तक विस्तारित होता है। उसका एक स्वरूप फासीवाद, साम्राज्यवाद भी है। ऐसे महाज्ञाता लोग जो देश की मानसिकता को प्रदूषित करने की भूमिका निभा रहे हैं, वह पुलवामा में आतंकवादियों की वारदात से छोटा अपराध नहीं है। आखिर ये चाहते क्या हैं? हमारे यहां पड़ोसी आतंकवादियों को भेजकर हमला कराए, एक साथ इतने जवानों को शहीद कर दे और देश इसलिए चुप रहें कि वे अगर गुस्सा प्रकट करेंगे तो लोग उन्हें जिंगोइस्ट, फासिस्ट आदि शब्दों से गालियां देंगे?

सतीश पेडणोकर

भारत देश है जहां ऐसी पीड़ा और क्षोभ पैदा करने वाली घटना में भी कुछ लोगों को राजनीति नजर आ रही है। कुछ लोग मीडिया द्वारा शहीदों के शवों के अंतिम संस्कारों से लेकर लोगों के आक्रोश प्रकटीकरण की कवरेज को अंधराष्ट्रवाद या उन्माद पैदा करने वाला कारनामा साबित करने पर तुले हैं।``भारत माता की जय' तथा ``वंदे मातरम्' का सामूहिक नारा भी इन्हें अंधराष्ट्रवाद लग रहा है। क्या यह अंधराष्ट्रवाद है? अंधराष्ट्रवाद पश्चिम द्वारा दिए गए शब्द जिंगोइज्म का हिन्दी अनुवाद है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है जैसा बताया जा रहा है। अंधराष्ट्रवाद के अंदर बिना किसी कारण के अपने देश को सबसे बेहतर मानने का गुमान तथा दूसरे राष्ट्रों से घृणा,उनका विरोध तथा उन पर हमला करने तक विस्तारित होता है। उसका एक स्वरूप फासीवाद, साम्राज्यवाद भी है। ऐसे महाज्ञाता लोग जो देश की मानसिकता को प्रदूषित करने की भूमिका निभा रहे हैं, वह पुलवामा में आतंकवादियों की वारदात से छोटा अपराध नहीं है। आखिर ये चाहते क्या हैं? हमारे यहां पड़ोसी आतंकवादियों को भेजकर हमला कराए, एक साथ इतने जवानों को शहीद कर दे और देश इसलिए चुप रहें कि वे अगर गुस्सा प्रकट करेंगे तो लोग उन्हें जिंगोइस्ट, फासिस्ट आदि शब्दों से गालियां देंगे? इसका साफ उत्तर है, नहीं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो पाकिस्तान के पिट्ठू और देश को तोड़ने की खुलेआम बात करने वाले, भारत का खाते हुए स्वयं को भारत का नागरिक न मानने वाले, स्वयं को पाकिस्तानी कहने वाले हुर्रियत नेताओं से जाकर गले मिलते हैं, संभव होने पर उनको अपने बुद्धि विलास कार्यक्रम में बुलाकर सम्मान करते हैं.. । यह बात अलग है कि भारत के आम समाज में इन्हें कभी स्वीकृति नहीं मिलती। किंतु इन्होंने भी अपना एक समुदाय सृजित कर लिया है जिसकी ताकत हर प्रकार की सत्ता में है।

साहित्य, पत्रकारिता, कला, अकादमी, एक्टिविज्म, एनजीओ से लेकर सत्ता के दूसरे अंगों और यहां तक कि विदेशों तक इनका प्रभाव है। हां, ये कभी समाज के मुख्यधारा के अंग नहीं हैं, लेकिन वे पत्रकारों, लेखकों यहां तक कि नेताओं और नौकरशाहों तक पर स्थायी मनोवैज्ञानिक दबाव निर्मित करने में काफी हद तक सफल रहते हैं। दुनिया में ऐसा शायद ही कोई देश होगा जहां आतंकवाद और देश की सुरक्षा के मुद्दे पर इस तरह की गलीज सोच रखने वाला प्रभावी समुदाय होगा। यह कितनी अजीब स्थिति है। एक ओर दुनिया के बड़े-छोटे देश भारत के प्रति संवेदना और सहयोग का वक्तव्य दे रहे हैं। अमेरिका ने तो पाकिस्तान को सीधी चेतावनी दी है। दूसरी ओर यह वर्ग है जो मानने लगा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण देश में इस घटना के बाद से जिंगोइज्म पैदा हो रहा है जो एक दिन हमें बर्बाद कर देगा। कैसी शर्मनाक सोच है। आखिर भारत में इस समय पाकिस्तान के अलावा किसी देश के खिलाफ वातावरण है? भारत के लोग जिंगोइस्ट होते तो वे कितने देशों से नफरत तथा गुस्सा पालते और प्रकट करते। इसका विस्तार से चर्चा इसलिए जरूरी है कि कल अगर पाकिस्तान के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई होती है तो इनके शब्दवाण ज्यादा तीखे होंगे। ये सरकार पर आरोप लगाएंगे कि जिंगोइज्म पैदा कर इसका राजनीतिक लाभ लेने की नीति पर काम हो रहा है। नरेन्द्र मोदी इसका राजनीतिक फायदा उठाना चाहते हैं।कुछ ऐसा ही करीब 20 वर्ष पूर्व करगिल युद्ध के समय था। भारत की सीमा में पाकिस्तानी घुसपैठियों के जगह जमा लेने की सूचना पर पूरे देश में उबाल था। सरकार ने पाकिस्तान को पहले चेतावनी दी और न मानने पर फिर सैनिक कार्रवाई आरंभ हुआ। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने स्वयं मोर्चा संभाला एवं रक्षा मंत्री जार्ज फ र्नांडिस उनके सक्रिय सहायक के नाते भूमिका निभाते रहे। देश का बहुमत उस युद्ध में एकजुट था। किंतु उस समय के समाचार पत्र या टीवी के फु टेज निकाल लीजिए। ये लोग उस समय भी सरकार के खिलाफ विषवमन करते रहे। जार्ज फर्नांडिस जब युद्धसीमा पर जाकर सैनिकों के साथ ``वंदे मातरम' और ``भारत माता की जय' का नारा लगाते तो ये उन्हें फ ासिस्ट घोषित करते थे। जब उन्होंने निर्णय किया कि परंपरा तोड़कर युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के शव उनके घर भेजा जाए तो इसे भी जिंगोइज्म पैदा करने का कदम घोषित किया गया। सैनिकों के शव का दर्शन करने भीड़ उमड़ने लगी, राष्ट्रवाद की लहर पैदा हुई और दूसरी ओर ये छाती पीटकर स्यापा करते रहे। संयोग से उस समय सरकार का लोक सभा में पतन हो चुका था तथा चुनाव की घोषणा कभी भी होने वाली थी। इसे वाजपेयी द्वारा लोगों की भावनाएं भड़काकर चुनावी लाभ लेने की चाल साबित की जाती रही। और कुछ नहीं मिला तो जार्ज फर्नांडिस को कफनचोर बोला गया। जो ताबूत मंगाए गए थे, उसमें भ्रष्टाचार की बात उठाई गई। यह बात अलग है कि उसके काफी सालों बाद सर्वोच्च न्यायालय ने इस आरोप का निराधार करार दे दिया। कहने का तात्पर्य यह कि ये तत्व हमेशा रहे हैं आमलोगों से लेकर कई बार नीति-निर्माताओं तक को भ्रमित कर देते हैं। एक युद्ध हमें आतंकवादी और बाहरी दुश्मन से लड़ना होता है तो दूसरा अपने अंदर के इन कुंठित महाज्ञानियों से। जैसे-जैसे भारत कार्रवाई की ओर बढ़ेगा इनके स्वर ज्यादा प्रबल और तीखे होंगे। सीआरपीएफ के उतने बड़े काफि ले पर आतंकवादी हमला करने में सफल हुआ तो यह हमारी सुरक्षा व्यवस्था में चूक है। इसकी जांच करानी चाहिए। पर हम ऐसी स्थिति तो बनाए नहीं रख सकते कि हमारे जवानों के लिए भी सड़कों से गुजरने में जान का जोखिम बना रहे। अपने को सुरक्षित करने के लिए की जाने वाले सैन्य कार्रवाई या परोक्ष युद्ध की रणनीति को परास्त करने के लिए किया गया हमला या आतंकवादियों तथा उनको पालने पोसने वालों का विनाश करना जिंगोइज्म की श्रेणी में नहीं आता। एक देश के नाते अपने को सुरक्षित करना तथा सम्पूर्ण मानवता को भयमुक्त करने का पुण्यकार्य है। जिंगोइज्म रटने वालों के लिए तो पाप-पुण्य शब्द ही लोगों को भ्रमित करने वाले हैं। तो इनके शब्दजाल से भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है। इसमें किसे राजनीतिक लाभ मिलेगा किसे नहीं मिलेगा, यह विचार का विषय होना ही नहीं चाहिए।

चलते चलते

सूचना-प्रसारण मंत्रालय

हमले बाद शुरू हुआ आक्रामक मीडिया कवरेज के बाद सूचना-प्रसारण मंत्रालय को बाकायदा हिदायत जारी करनी पड़ी। मंत्रालय को कहना पड़ा कि टीवी चैनल कोई भी ऐसी सामग्री प्रसारित न करें।

पुलवामा के बाद देश आक्रोश में है। यह अस्वाभाविक नहीं है और न ही अनुचित। हालांकि इस उबाल में खबरिया चैनलों की चले तो पाकिस्तान पर तुरंत हमला करवा दें। मगर किसी देश के खिलाफ योंही कार्रवाई नहीं होती। आधे-एक घंटे की बहस में यह तय नहीं होता। नियंतण्र रेखा और अंतरराष्ट्रीय रेखा में फर्क नहीं समझनेवाले नजरिये से तो कतई नहीं। हमले बाद शुरू हुआ आक्रामक मीडिया कवरेज के बाद सूचना-प्रसारण मंत्रालय को बाकायदा हिदायत जारी करनी पड़ी। मंत्रालय को कहना पड़ा कि टीवी चैनल कोई भी ऐसी सामग्री प्रसारित न करें जो हिंसा को भड़काये या कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की नौबत आए। ऐसा माहौल उन शरारती तत्वों के लिए मुफीद होता है, जो इसका फायदा उठाते हुए धर्म और क्षेत्र के नाम पर हिंसा करते हैं। इस दौरान देश के कुछ हिस्सों से कश्मीरियों को परेशान करने की खबरें भी आई। इस प्रकार की घटनाएं अलगाववाद की खाई को और चौड़ा करती हैं, न कि कोई कड़ा संदेश देती हैं। कश्मीर जिस तरह शेष भारत का हिस्सा है, उसी तरह कश्मीरी या अन्य मजहब को माननेवाले भी। आज जब मीडिया का मिशन प्रोफेशन बन चुका है और खबर एक उत्पाद, इसके बावजूद एक न्यूनतम जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ना जाना चाहिए। ठीक है कि गलाकाट टीआरपी प्रतिस्पर्धा में आगे बने रहने लिए तमाम प्रपंच करने पड़ते हैं, मगर यह ध्यान रहे कि भावनाओं के ज्वार में घर का कोई न झुलस जाए। अतिउत्साही मीडिया कवरेज का नुकसान करगिल (1999) और मुंबई (26/11) में हम देख चुके हैं, जब दुश्मन ने कवरेज का फायदा उठाया था। राष्ट्रीय सुरक्षा एक बेहद संवेदनशील मसला है, जो न तो भावनाओं से संचालित होगा न टीवी स्टूडियो में होने वाली बहसों से। खासकर ऐसी बहसों से जो तीतर-बटेर की लड़ाई बनकर रह गई हैं। असहमति के मत या कुछ शरारत की कवायदों को समूचे समुदाय या किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व मानकर उदाहरण नहीं बनाया जाना चाहिए क्योंकि इससे हम जाने-अनजाने उनके प्रसार में सहायक बन जाते हैं, जो वे चाहते हैं। सीमा पार के दिये जख्म तो कुछ समय बाद भर जाएंगे, मगर घर के अंदर दिलों की दरारें पाटना आसान नहीं होगा। अगर उन्मादी आवाजें तार्किक स्वरों भर भारी पड़ने लगीं तो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज के लिए यह अच्छे लक्षण नहीं कहे जाएंगे।

फोटोग्राफी...

प्रयागराज : कुंभ मेला क्षेत्र के निकट स्थित एक सड़क पर पैदल चल रहे श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण लगा जाम।

``कर लो दुनिया मुट्ठी में'

मौजूदा दौर में महानगरों से लेकर कस्वाई शहरों तक मॉल खुल गए हैं, जहां एक ही छत के नीचे उपभोक्ताओं की तमाम जरूरतों की चीजें आसानी से मिल जाती हैं। यहां तक कि गांवों में भी इसी तर्ज पर बड़े किराना स्टोर व मार्ट खुलने लगे हैं। इससे लोगों को रोजमर्रा की वस्तुएं खरीदने के लिए शहर जाने की आवश्यकता नहीं होती है। इस प्रकार उनको समय की बचत के साथ-साथ सहूलियत भी हो रही है और रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। यह देश के विकास का परिचायक है, जिसमें आवागमन के साधनों के विकास से लेकर सेवा व लॉजिस्टिक्सि के क्षेत्र में हो रहे विस्तार का अहम योगदान है। हाल के दिनों में ग्रॉसरी के क्षेत्र में बड़ी कंपनियों के उतरने के बाद कृषि बाजार में बिचैलिए की भूमिका कम होती जा रही है, क्योंकि बड़ी कंपनियां सीधे किसानों से उनकी उपज खरीद करने लगी हैं। जहां पहले बिचैलिये या आढ़ती यानी कमीशन एजेंट हुआ करते वहां अब बी-2-बी का फॉर्मूला आ गया है। किराना थोक बाजार में बहुराष्ट्रीय कंपनियां आ गई हैं। मसलन, वालमार्ट इंडिया का मेरा किराना, थाइलैंड की कंपनी सियाम मैक्रो का लॉट्स स्टोर व अन्य। बी-2-बी होलसेल से किराना बाजार क्षेत्र में दो बड़ी उपलिब्ध देखी जा सकती है। पहला, यह कि छोटी खोली में चलने वाली दुकानों की जगह बड़े किराना स्टोर खुलने लगे हैं। खास बात यह है कि ऐसे कई स्टोर का संचालन महिला कारोबारियों के हाथ में है, क्योंकि उनको सामान लाने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं होती है। बल्कि ये कंपनियां सारी चीजें इन दुकानों तक पहुंचाती हैं। पढ़ी-लिखी महिलाएं बिजनेस संभाल रही हैं, जिनके कंप्यूटर पर दुकान में आने वाली वस्तुओं से लेकर बिकने वाली वस्तुओं का लेखा-जोखा सब फीड होता रहता है। एक तरह से पुराने परचून की दुकानों का मेकओवर होने लगा है, जिसमें कंप्यूटर साक्षर युवाओं को नौकरियां मिलने लगी हैं। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र का विस्तार होने से उसमें भी नई नौकरियां मिलने लगी हैं। यह कहावत सुनी जाती है कि बड़ी मछलियां छोटी मछलियों को खा जाती हैं लेकिन वर्तमान दौर में यह कहावत अप्रासंगिक दिख रही है क्योंकि बड़ी कंपनियां छोटे कारोबारियों को उठाने में मदद को आगे आ रही हैं। कुछ साल पहले सरकार ने जब मल्टी ब्रांड खुदरा कारोबार में 51 फीसद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी प्रदान की थी तो इस बात का अंदेशा जताया जाने लगा कि वालमार्ट, अमेजन जैसे बहुराष्ट्रीय दिग्गज कंपनियों के खुदरा कारोबार में पैर पसारने से छोटे किराना स्टोर समाप्त हो जाएंगे और छोटे कारोबारियों का रोजगार समाप्त हो जाएगा। वालमार्ट इंडिया विगत चार साल से अपने बी-2-बी थोक कारोबार के तहत मेरा किराना कार्यक्रम चला रही है, जिसमें मॉम एंड पॉप स्टोर मालिकों के लिए आधुनिक किराना स्टोर का डिजाइन तैयार किया गया है। कंपनी इस कार्यक्रम के तहत अपनी टीम को किराना स्टोर भेजकर उसका मेकओवर करने में मदद करती है। इस तरह बी-2-बी होलसेल से इस क्षेत्र में महिला कारोबारियों को प्रोत्साहन मिला है। एक फोन पर सारे सामान की आपूत्तर करवा दी जाती है। चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश में तकरीबन 600 अरब डॉलर का खुदरा कारोबार है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। निस्संदेह भारत की अर्थव्यवस्था मौजूदा सरकार द्वारा विगत दिनों किए गए उपायों से अधिक औपचारिक बनती जा रही है, लेकिन अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्र आज भी ऐसे हैं, जो असंगठित क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इसलिए खुदरा कारोबार में असंगठित क्षेत्र का वजूद समाप्त नहीं होगा बल्कि संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्र के कारोबारी खुदरा किराना कारोबार में एक दूसरे के पूरक बने रहे रहेंगे।

PCA के बाद राजस्थान क्रिकेट संघ ने भी हटाई पाकिस्तानी खिलाडियों की तस्वीरें

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादी हमले के विरोध में सवाई मान सिंह स्टेडियम में लगीं तस्वीरों में से पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तस्वीरें हटा दी हैं। आरसीए के संयुक्त सचिव महेन्द्र नाहर ने आज बताया कि हमले में शहीद वीर सैनिकों को श्रदांजलि देने और भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान का कड़ा विरोध जताते हुए आरसीए के अध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देशानुसार सवाई मान सिंह स्टेडियम के विभिन्न ब्लॉक से पाकिस्तानी खिलाडियों कीं तस्वीरें हटा दी गई हैं। उन्होने बताया कि देशभर में देश में पाकिस्तान विरोधी माहौल है। सभी इसके लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार मानते हैं। इससे पहले आरसीए ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर समस्त राजस्थान क्रिकेट संघ पदाधिकारियों , खिलाड़ियों ने आशा व्यक्त की कि सरकार जल्दी ही देश से आतंकवाद को समाप्त करने एवं पाकिस्तान से इस हमले का बदला लेने के लिए कड़ा कदम उठायेगी।

विश्व कप में पाकिस्तान से नहीं खेले भारत : सीसीआई

मुंबई ।

क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) के सचिव सुरेश बाफना ने कहा है कि भारत को इंग्लैंड में होने वाले आगामी विश्व कप मैच में पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलना चाहिए। गत 14 फरवरी को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद बाफना ने यह बयान दिया है। उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 16 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में विश्व कप का मैच खेला जाना है। शनिवार को ही सीसीआई ने इस आतंकवादी हमले के विरोध में सीसीआई में लगी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पूर्व क्रिकेट कप्तान इमरान खान की तस्वीर को ढक दिया था। बाफना ने कहा, हम सीआरपीएफ जवानों पर हुए इस कार्यतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हम भले ही एक स्पोटर्स एसोसिएशन हैं लेकिन हमारे लिए खेल से पहले देश है।÷ उन्होंने कहा, इमरान खान को इस मामले पर बोलना चाहिए। वह (इमरान) मानते हैं कि इस हमले में पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है लेकिन वह खुल कर यह बात नहीं बोल रहे हैं। उन्हें खुलकर यह बात बोलनी चाहिए ताकि लोगों को सच्चाई का पता चल सके। अगर वह खुल कर इस बात को बोलने से परहेज कर रहें है तो इस मतलब साफ है कि दाल में कुछ काला है और कहीं ना कहीं इस हमले के पीछे पाकिस्तान का ही हाथ है। पुलवामा में आतंकवादी हमले के बाद सीसीआई ने इमरान खान की तस्वीर को ढ़क दिया था। सीसीआई के सचिव ने इस मुद्दे पर कहा कि हमने इस हमले के विरोध में उनकी तस्वीर को ढकने का फैसला किया। बाफना ने कहा, ÷हमने इस हमले के दूसरे दिन मीटिंग बुलाई और इस हमले की निंदा की और उनकी तस्वीर को ढकने का फैसला किया। हम जल्द ही उनकी तस्वीर को हटा देंगे। गौरतलब है कि 14 फरवरी को पुलवामा में हुए फिदायीन हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। यह हमला पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने किया था। इस हमले के बाद पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ रोष है।

संक्षिप्त समाचार

शहीद जवानों के परिवार की मदद के लिए आगे आए मोहम्मद शमी, 5 लाख रुपये देने का किया एलान

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के परिवार की मदद के लिए भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आगे आए हैं।शमी ने शहीद जवानों के परिवार वालों के लिए 5 लाख रुपये की सहायता देने का ऐलान किया है। शमी ने कहा, जब हम देश के लिए खेलते हैं तो भारत के वीर जवान सीमा पर हमारी रक्षा करते हैं। इस दुख की घड़ी में हम जवानों के परिवार के साथ हैं। शमी ने साथ ही शहीद परिवारों से कहा कि वह हमेशा अपने आप को सुरक्षित महसूस करें हम उनके साथ हैं। गौरतलब है कि शमी से पहले भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी शहीद जवानों की मदद के लिए आगे आए थे। सहवाग ने शहीद परिवारों के बच्चों की पढ़ाई का बीड़ा उठाया है। सहवाग के अलावा मुक्केबाज विजेंद्र सिंह भी अपना एक माह का वेतन शहीद परिवारों को देने की बात कह चुके हैं।

महिला क्रिकेट : इंग्लैंड ने भारतीय बोर्ड एकादश को दी मात

मुंबई । इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने सोमवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए वनडे अभ्यास मैच में भारतीय बोर्ड अध्यक्ष महिला एकादश को दो विकेट से हरा दिया। बोर्ड अध्यक्ष एकादश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवरों में सिर्फ 154 रनों पर ही ढेर हो गई थी। इंग्लैंड महिला टीम ने इस आसान से लक्ष्य को हासिल करने के लिए आठ विकेट खो दिए लेकिन 75 गेंद शेष रहते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इंग्लैंड के लिए हीथर नाइट ने 86 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 64 रन बनाए। उनके अलावा अन्या श्रब्सोले ने 23 और लॉरेन विनफील्ड ने भी नाबाद 23 रनों की पारी खेल इंग्लैंड को अभ्यास मैच में जीत दिलाई। भारत के लिए कोमल जानजाड़ ने तीन विकेट लिए। रीमालक्ष्मी इक्का और तनुजा कंवर ने दो-दो विकेट अपने नाम किए। रेणुका सिंह को एक विकेट मिला। इससे पहले, भारतीय बोर्ड अध्यक्ष एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मेजबान टीम हालांकि लगातार विकेट खोती रही और बड़ा स्कोर नहीं कर पाई। उसके लिए मिन्नू मानी ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। भारती फुलमाली ने 23 और हर्लिन देयोल ने 21 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए अन्नया ने चार विकेट लिए। जॉर्जिया एल्विस ने दो विकेट लिए।

नई दिल्ली मैराथन में चमक बिखेरेंगे धोनी, रशपाल, मोनिका और ज्योति

नयी दिल्ली।

आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने अपने लिए काम करने वाले आयोजक एनईबी स्पोर्ट्स के साथ सोमवार को आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस नई दिल्ली मैराथन-2019 में हिस्सा लेने वाले एलीट भारतीय एथलीटों के नामों की घोषणा की। इस मैराथन का आयोजन 24 फरवरी को होगा। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से इस नेशनल मैराथन चैम्पियनशिप आयोजन को फ्लैग आफ किया जाएगा। इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की मान्यता प्राप्त है। भारत के एलीट पुरुष एथलीटों में बहादुर सिंह धोनी का नाम सबसे ऊपर है। वह पुणे के आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट से ताल्लुक रखते हैं। बहादुर इंदिरा मैराथन 2018 के विजेता हैं। इलाहाबाद में आयोजित इस मैराथन में बहादुर ने 2.19.13 घंटे का समय निकाला था। बहादुर को अपने साथी एएसआई, पुणे के धावक रशपाल सिंह से टक्कर लेनी होगी। वह 2.19.19 घंटे समय के साथ इंदिरा मैराथन के रनरअप रहे हैं। उनके अलावा पुणे के बीईडी आर्मी के करण सिंह भी पोडियम फिनिश की दौड़ में शामिल हैं। करण ने जनवरी में आयोजित मुम्बई मैराथन के भारतीय कटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया था। उस रेस में उनका समय 2.20.10 घंटे रहा था। एलीट महिला एथलीटों की सूची मोनिका राउत का नाम सबसे ऊपर है। मोनिका महाराष्ट्र रेलवे की हैं और 2018 में आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस मैराथन में दूसरे स्थान पर रही थीं। मोनिका ने 2.55.02 घंटे का समय निकाला था। इस कटेगरी में ज्योति गावटे भी खिताब की दावेदार हैं। वह 2017 में मुम्बई मैराथन विजेता थीं और 2018 में आईडीबीआई फेडरल नई दिल्ली मैराथन की रनरअप थीं। उनका समय 2.50.12 घंटे रहा था। महिला कटेगरी में एक और धाविका पर सबके नजरें रहेंगी। यह धाविका हैं, पश्चिम बंगाल की श्यामली सिंग। वह मुम्बई मैराथन 2017 में उपविजेता थीं। उनका समय 3.08.41 घंटे था। हाफ मैराथन कटेगरी में पुरुष वर्ग में शंकर मान थापा (एएसआई पुणे) टॉप रनर हैं। थापा ने 2019 मुम्बई मैराथन में दूसरा स्थान हासिल किया था। इसके अलावा उत्तम भुजाल (सिक्किम), कन्हैया (उप्र पुलिस) और दीपक सिंह भी नेशनल मैराथन चैम्पियनशिप में अपनी छाप छोड़ने का प्रयास करेंगे। हाफ मैराथन में महिला कटेगरी में नीतू सिंह (इलाहाबाद) प्रमुख चेहरा हैं। नीतू ने 2017 में नई दिल्ली मैराथन में तीसरा स्थान हासिल किय था। उनका समय 1.27.11 घंटे रहा था। नीतू को उत्तराखंड की सिंधु यादव, पंजाब की उज्जला और उप्र की अर्पिता सैनी से कड़ी टक्कर मिलेगी। एलीट एथलीटों के बीच कुल 11 लाख रुपये का पुरस्कार वितरित किया जाएगा। फुल मैराथन टॉप-5 इलीट एथलीटों (महिला एवं पुरुष), हाफ मैराथन में टॉप-3 एथलीटों (महिला एवं पुरुष) को उनकी रैंकिंग के हिसाब से पुरस्कार मिलेगा।

सारी को चेल्सी में थोड़ा समय देना होगा : जोला

लंदन ।

इंग्लिश क्लब चेल्सी के सहायाक कोच और क्लब के पूर्व खिलाड़ी गिया फ्रांको जोला को मानना है कि टीम के मुख्य कोच मॉरिजियो सारी को थोड़ा और समय देने की आवश्यकता है। सारी इस सीजन की शरुआत में चेल्सी के मुख्य कोच बने थे। उनके मार्गदर्शन में लंदन स्थित क्लब ने शुरुआत तो दमदार की लेकिन पिछले कुछ महीनों में टीम के प्रदर्शन में भारी गिरावट देखने को मिली है। 'ईएसपीएन' के अनुसार, इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के पिछले चार में से तीने मुकाबलों में चेल्सी को हार झेलनी पड़ी है। टीम फिलहाल, तालिका में 50 अंकों के साथ छठे पायदान पर काबिज है। जोला ने कहा, दो वर्ष पहले शायद आप पेप गार्डियोला से भी यही सवाल पूछते। उनकी टीम बहुत बेहतर हुई है और डिफेंस के साथ बेहतर अटैक कर रही है। पेप ने टीम के साथ जो किया उसकी आपको प्रशंसा करनी होगी। सारी भी लीग के अनुकूल होने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आप मॉरिजियो को जानते हैं, वह सीधी बात करते हैं। जो वह सोचते है, वही बोलते हैं। वह अपनी फुटबाल पर बहुत काम करते हैं, उन्हें इसका जुनून है। आप जितना उनका जानेंगे, उनको उतना ही पसंद करेंगे। चेल्सी की टीम सोमवार देर रात एफए कप के मुकाबले में चिर-प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर युनाइटेड से भिड़ेगी।

विश्व कप सिर्फ 100 दिन दूर, इंग्लैंड को इस बार चैंपियन बनने की उम्मीद

लंदन।

क्रिकेट विश्व कप 2019 के आयोजन में अब जब सिर्फ 100 दिन का समय बचा है और शायद इस बार इंग्लैंड सीमित ओवरों की इस प्रतिष्ठित ट्राफी के अपने इंतजार को खत्म करने में सफल रह सकता है। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहतरीन फार्म में चल रही इंग्लैंड की टीम ने 1975 से शुरू हुए प्रत्येक विश्व कप में हिस्सा लिया है लेकिन टीम कभी खिताब नहीं जीत पाई है। टीम हालांकि 1979, 1987 और 1992 में उप विजेता रही। इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट लंबे समय से प्राथमिकता रहा है, फिर चाहे ये उनके खिलाड़ी हों, प्रशंसक या फिर प्रशासक। हालांकि आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2015 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद टीम के ग्रुप चरण से बाहर होने पर इसमें बदलाव आया है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख एंड्रयू स्ट्रास ने कहा है कि सफेद गेंद का क्रिकेट भी उनके लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रास ने टीम को सीमित ओवरों में मजबूत बनाने की कवायद में मुख्य कोच पीटर मूर्स को बर्खास्त करके आस्ट्रेलिया के ट्रेवर बेलिस को नियुक्त किया। इसके बाद से इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम का भाग्य ही बदल गया और टीम ने दो बार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड बनाया। टीम ने पहले 2016 में ट्रेंटब्रिज में पाकिस्तान के खिलाफ तीन विकेट पर 444 रन बनाए और फिर पिछले साल इसी मैदान पर छह विकेट पर 481 रन का स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड के पूर्व बल्लेबाज इयोन मोर्गन की अगुआई वाली इंग्लैंड की टीम एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर चल रही है और इसमें टेस्ट कप्तान जो रूट के अलावा जेसन राय, एलेक्स हेल्स और जोस बटलकर जैसे आक्रमक बल्लेबाज शामिल हैं।

टेनिस : मोनफिल्स ने जीता राटर्डम ओपन

राटर्डम (नीदरलैंड्स) ।

फ्रांस के टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स ने रविवार को यहां स्विट्जरलैंड के स्टान वावरिंका को मात देकर राटर्डम ओपन का खिताब अपने नाम किया। 'ईएसपीएन' के अनुसार, वर्ल्ड रैंकिंग में 33वें पायदान पर मौजूद मोनफिल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वावरिंका को 6-3, 1-6, 6-2 पराजित किया। पिछले वर्ष जनवरी के बाद से फ्रेंच खिलाड़ी का यह पहला खिताब है जबकि वावरिंका 2017 में हुए फ्रेंच ओपन के फाइनल के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेल रहे थे। मोनफिल्स ने शुरू से ही अपने विपक्षी पर दबदबा बनाए रखा और पहला सेट 36 मिनट के अंदर ही जीत लिया। 3 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्टेन वावरिंका ने दूसरे सेट में उन्होंने जबरदस्त वापसी की और गेल मोनफिल्स को 6-1 से हराकर बराबरी पर ला खड़ा किया। वावरिंका हालांकि, तीसरे सेट में अपने दमदार प्रदर्शन को जारी नहीं रख पाए और सेट हारने के साथ ही खिताब जीतने का भी मौका गंवा बैठे।

बैडमिंटन खिलाड़ी प्रणव ने पेश की मिसाल, चैंपियनशिप की इनामी राशि पंजाब के शहीदों के परिवारों को देंगे

लुधियाना ।

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों की मदद के लिए पूरा देश हाथ बढ़ा रहा है। एक तरफ बिग बी अमिताभ बच्चन, वीरेंद्र सहवाग, विजयेंद्र सिंह, मुकेश अंबानी जैसे दिग्गजों ने शहीदों के परिवारों की मदद के लिए सराहनीय फैसले लिए हैं वहीं पंजाब के बैडमिंटन खिलाड़ी प्रणव जैरी चोपड़ा ने भी ऐसा कदम उठाया है जिसके बाद पूरा पंजाब उन पर नाज कर रहा है। प्रणव ने हाल ही में अपने साथी खिलाड़ी के साथ असम में आयोजित पुरुष डबल्स सीनियर नेशनल चैंपियनशिप का खिताब जीता है। इस चैंपियनशिप को जीतने के बाद इन दोनों को 3 लाख 45 हजार रुपये की इनामी राशि मिली। प्रणव ने इस राशि में से अपने हिस्से के 1 लाख 72 हजार रुपये पुलवामा में शहीद हुए पंजाब के 4 जवानों के परिवारों को देने का ऐलान किया है। प्रणव के इस फैसले की सब ओर तारीफ हो रही है और लुधियाना बैडमिंटन एकेडमी के महासचिव अनुपम कुमेरिया ने भी प्रणव के फैसले को प्रेरक फैसला बताया है।

हमें अपने बेटे के फैसले पर गर्व : मोहिंदर चोपड़ा

प्रणव के पिता मोहिंदर चोपड़ा ने बताया कि उन्हें अपने बेटे के फैसले पर गर्व है जिसने पंजाब के शहीदों के परिवारों के लिए इनामी राशि देने का ऐलान किया है। चोपड़ा ने बताया कि फाइनल मैच खेलने से एक रात पहले ही प्रणव ने उन्हें फोन पर बताया था कि वे जीते या हारे जो भी इनामी राशि मिलेगी उसे वह पुलवामा में शहीद हुए पंजाब के जवानों के परिवारों के सुपुर्द कर देंगे। प्रणव के फैसले पर परिवार ने भी सहमति जताई। मोहिंदर चोपड़ा ने बताया कि वह जल्द ही शहीद परिवारों से मिलकर उन तक इनामी राशि पहुंचा देंगे।

पंजाब के ये जवान हुए शहीद

14 फरवरी को पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए। उनमें पंजाब के मनिंदर सिंह, जयमल सिंह, कुलविंदर सिंह और सुखजिंदर सिंह शामिल हैं। इन चारों की मदद के लिए पंजाब सरकार ने भी 12-12 लाख रुपये की मदद का ऐलान किया हुआ है।

टेनिस : श्वार्टजमैन को हराकर सेचिनाटो ने जीता अर्जेंटीना ओपन

ब्यूनस आयर्स । इटली के मार्को सेचिनाटो ने रविवार को यहां दमदार प्रदर्शन करते हुए डिएगो श्वार्टजमैन को हराकर अर्जेंटीना ओपन का खिताब अपने नाम किया। सेचिनाटो ने सीधे सेटों में अर्जेंटीना के श्वार्टजमैन को 6-1, 6-2 से मात दी। इटली के 26 वर्षीय सेचिनाटो का एकल वर्ग में यह तीसरा एटीपी खिताब है। उन्होंने तीनों खिताब क्ले कोर्ट पर ही जीते हैं। इससे पहले, उन्होंने बुडापेस्ट और उमाग में क्ले कोर्ट पर हुए एटीपी टूर्नामेंट का खिताब जीता था। सेचिनाटो के खिलाफ श्वार्टजमैन ने शुरुआत अच्छी की और पहले सेट में एक समय स्कोर 1-1 से बराबर था। इसके बाद हालांकि, इटली के खिलाड़ी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने दमदार खेल दिखाते हुए सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में इटली के श्वार्टजमैन के पास इटली के खिलाड़ी के बेहतरीन खेल का कोई जवाब नहीं था। श्वार्टजमैन ने अपना आखिरी एटीपी खिताब 12 महीने पहले रियो डी जनेरियो में जीता था।

गोल्फ : मर्सिडीज ट्रॉफी के गुरुग्राम चरण में मुरली कार्तिक पर रहेंगी निगाहें

गुरुग्राम । भारत के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी मुरली कार्तिक पर मंगलवार से यहां आईटीसी क्लासिक गोल्फ रिसॉर्ट में शुरू हो रहे मर्सिडीज ट्रॉफी के सातवें चरण में सभी की निगाहें होंगी। इस चरण में 300 एमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह सातवां चरण तीन दिन तक चलेगा और हर दिन दो क्वालीफायर राउंड खेले जाएंगे जिनमें जीत हासिल करने वाले खिलाड़ी नेशनल्स फाइनल्स में खेलेंगे जो 27 से 29 मार्च के बीच पुणे में खेला जाएगा। पुणे, बेंगलुरू, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद में आयोजित की गई इस ट्रॉफी के पहले छह चरणों में से कुल 24 स्थान नेशनल्स फाइनल्स के लिए तय किए जा चुके हैं। ग्रुरुग्राम में खेले जाने वाले चरण के बाद कुल 13 स्थान और तय किए जाएंगे। यहां से यह ट्रॉफी ग्रेटर नोएडा, चंडीगढ़, जयपुर और लखनऊ जाएगी और फिर पुणे में नेशनल्स फाइनल्स खेले जाएंगे। नेशनल्स फाइनल्स के तीन विजेता जर्मनी के स्टटगर्ट में खेले जाने वाले वर्ल्ड फाइनल्स में 60 देशों के खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करेंगे।

आतंकी हमले को लेकर श्री एकलव्य सेवा मण्डल सूरत की तरफ से निकली गई रैली ,कंडेल मार्च का जताया आक्रोश एकलव्य सेवा मण्डल के जिला अध्यक्ष बालमुकुंद निषाद ने बताया की अटकियो द्वारा हमारे देश के जवानो को मारा है उसका बदला जरूर लेना चाहिए क्योकि लातो का बहुत बातो से नहीं मानता है पाकिस्तान को उसी भाषा में जबाब सरकार को देना चाहता है हम लोग उन शहीदों को नमन करते हुए कैंडल मार्च निकल कर अपना आक्रोश व्यक्त किया गया है जिसमे एकलव्य सेवा मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सभी सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे जिला अध्यक्ष -बालमुकुंद निषाद ,कोषाध्यक्ष -रामविजय निषाद ,महामंत्री -हवाचंद निषाद सेवा मंडल के सदस्य -रामप्रकाश ,रामरतन, मोहित, वकील राम.रामयज्ञ ,महेश ,छविलाल ,डॉ आर एन नाविक। इंद्रचंद्र ,शिवबालक ,भृगुनाथ, रमेश तिवारी गुलाब, रामसिंह ,छींकन ,नंदू ,राजेंद्र ,भगवतभाई ,रामनवल ,साधुराम ,रामाश्रय ,मल्लू दूधनाथ इत्यादि लोग मौजूद रहे।

पूर्व चेम्बर प्रमुख परेश पटेल का जेडआरयुसीसी में चयन

सूरत। सघर्न गुजरात चे बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व प्रमुख और वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी के पूर्व सिन्डिकेट व सेनेट सदस्य रह चुके व्यापारी परेश पटेल को झेडआरयुसीसी का मे बर चुना गया है। सांसद सी.आर.पाटिल के सहयोग से उन्हें जोनल रेल्वे कमिटी में स्थान दिया गया है। पहले परेश पटेल सघर्न गुजरात चे बर ऑफ कॉमर्स के प्रमुख थे, उस वक्त वे डिवीजनल रेल्वे युजर्स कन्सल्टेटिव कमिटी(डीआरयुसी) के सदस्य भी रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने सूरत समेत दक्षिण गुजरात के रेल्वे यात्रियों को होने वाली असुविधाओं को लेकर लगातार रेल्वे विभाग को प्रस्तुतियां दी थी। परेश पटेल वर्ष 2011 का चुनाव जीतकर चे बर उपप्रमुख बने और वर्ष 2012 में प्रमुख बने थे। उसके बाद वर्ष 2012 से 2017 के बीच वीएनएसजीयु में सिन्डिकेट और सेनेट सदस्य के रूप में भी कार्यरत थे।

सूरत। शहर के उधना जोन विस्तार में सूरत महानगर पालिका की जमीन पर कुछ बाहुबली लोगों द्वारा कब्जा किया गया है। इस जमीन को छुडाने की मंशा या ताकत सूरत महानगर पालिका कमिश्नर और उधना जोन के जोनल आफिसर या कार्यपालक में भी नहीं है? जब इस जमीन के बारे किसी जागरुक नागरिक द्वारा जवाब मांगा जाता है तो अधिकारी यह कहकर अपना पल्ला छाड़ लेते है कि यह कब्जा हमारे कार्यकाल से पहले ही हो चुका था।

विधानसभा में वित्त मंत्री आज पेश करेंगे लेखानुदान

गांधीनगर। पांच दिवसीय बजट सत्र में कुल सात बैठकेंगे। जिसमें लोकसभा चुनाव के चलते वर्ष 2018-19 के अतिरिक्त खर्च के लिए लेखानुदान पेश किया जाएगा। वित्त मंत्री नितिन पटेल ने 19 जनवरी को सदन में लेखानुदान पेश करेंगे। 20 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर आभार प्रस्ताव पर और 21 फरवरी को लेखानुदान पर चर्चा होगी। जिसके बाद निजी विधेयक गुजरात दुकान एवं संस्था (रोजगार नियमन एवं सेवा शर्तें) विधेयक, गुजरात खेत-जमीन सुधार विधेयक, गुजरात गृह निर्माण बोर्ड सुधार विधेयक और गुजरात प्रोविन्शियल युनिसिपल कॉर्पोरेशन सुधार विधेयक पर चर्चा की जाएगी।

राधाकृष्णा टेक्सटाईल मार्केट में रक्तदान शिविर का आयोजन

सूरत। श्री रंगीला श्याम सेवा समिति द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सोमवार को रिंग रोड स्थित राधाकृष्णा टेक्सटाइल मार्किट (आरकेटी) में किया गया । सुबह 10 बजेबाबा श्याम के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ शिविर की शुरुआत की गयी । शिविर में कुल 171 लोगों ने अपना पंजीकरण करवाया, जिनसे 141 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया । समिति द्वारा प्रत्येक रक्तदाता का सम्मान किया गया एवं उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गयी । इस अवसर पर सूरत रक्तदान केंद्र की टीम विशेष रूप से उपस्थित रही । विशाल रक्तदान शिविर में समिति के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

इंटेलिजेंस रिपोर्ट बाद से सतर्कता के कदम

गुजरात में भी आत्मघाती हमले के भय के बीच अलर्ट

अहमदाबाद,१८ फरवरी।

पुलवामा में आतंकवादी हमले के बाद गुजरात में भी संभवित आतंकवाद हमले का खतरा रहा है। इंटेलिजेंस द्वारा संभवित आतंकवादी हमले संभावित हमले के मामले में गुजरात पुलिस को इनपुट देने के बाद हाई अलर्ट की घोषणा की गई है। राज्य इंटेलिजेंस ब्युरो द्वारा इस मामले में जानकारी जमा की गई है। मल्टीप्लेक्स, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थलों और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी जैसे स्थलों पर आत्मघाती हमले का खतरा बना है। इंटेलिजेंस संस्था द्वारा इस प्रकार पुख्ता जानकारी मिलने के बाद से सतर्कता के कदम उठाये जा रहे है। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैशे मोहम्मद के सक्रिय सदस्य के तौर पर रहे एक सदस्य की एन्ट्री होने की रिपोर्ट मिल रही है। यह पुलवामा हमले में भी सक्रिय भूमिका निभा चुका है और अब गुजरात में भी हमले को अंजाम देने की भूमिका निभा सकता है। यह रिपोर्ट है कि यह शख्स अन्य एक बुजुर्ग महिला की जोड़ी रेलवे स्टेशन को टार्गेट बना सकती है। गुजरात पुलिस के टोप के सूत्र ने बताया है कि, केंद्रीय संस्थाओं की तरफ से हमला के मामले में जानकारी मिली है। जिसमें दावा किया गया है कि पुलवामा आत्मघाती बॉम्बर आदिल अहमद डार ने दिल्ली और गुजरात में अपने ऑपरेशन के संदर्भ में १० मिनट के विडियो में कई मामलों का उल्लेख किया था। इस विडियो में दिल्ली और गुजरात में ऑपरेशन के संदर्भ में मामलों का उल्लेख किया गया है। इनपुट मिलने के बाद पुलिस जवानों, राज्य की सुरक्षा संस्था हाई अलर्ट है और टीमों ने हरएक संदिग्ध गतिविधि पर नजर रख रही है। गुजरात और आसपास के राज्यों में भी नजर रखी जा रही है। दक्षिण कश्मीर में पुलवामा में आतंकवादी हमले में ४४ जवान शहीद हो गये थे। गुज रात पुलिस सूत्रों ने बताया है कि, सतर्कता के कई कदम उठाये जा रहे हैं और पेट्रोलिंग और कोम्बींग की प्रक्रिया बढ़ा दी गई है। समुद्र तट के क्षेत्रों में सावधानी रखी जा रही है। पाकिस्तान की सीमावर्ती पर स्थित क्षेत्रों में सावधानी रखी जा रही है। बॉर्डर सिक्युरिटी फोर्स, सेना, नौसेना मरिन पुलिस, मरिन टास्क फोर्स को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। मानव तकनीकी इंटेलिजन्स को भी सावधान कर दिया गया है। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में आतंकवादी हमले का खतरा रहा है।

सूरत। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सी.आर.पी.एफ जवानों पर जो आतंकी हमला हुआ है उसे लेकर देश के नागरिको में गुस्सा देखा जा रहा है और देशभर में अलग अलग संगठनो द्वारा पाकिस्तान का विरोध किया जा रहा है। आज सूरत के उधना दरवाजा पर आज़ाद सेवा समिति द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

नई चौंकाने वाली जानकारी सामने आने के संकेत

भानूशाली : दो शार्प शूटर अब १२ दिन के रिमांड पर

अहमदाबाद शहर के एयरपोर्ट निकट स्थित होटल से कार रैली का आयोजन किया गया।

अहमदाबाद । जयंती भानूशाली हत्या केस के संदर्भ में वांटेड रहे दो शार्प शूटर को सोमवार को १२ दिन के रिमांड पर लिया गया। शशीकांत और अनवर शेख को १२ दिन के रिमांड पर लेने का कोर्ट ने आदेश दिया । दोनों की हाल में ही गिरफ्तारी करने के बाद सोमवार को उनको कोर्ट में पेश करने के बाद उनका रिमांड मंज ूर किया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों शार्प शूटर को कोर्ट में पेश करने के बाद कोर्ट ने उनको रिमांड पर लेने का आदेश दिया । यहां उल्लेखनीय है कि, दक्षिण गुजरात के डांग जिले की एक होटल से उसे गिरफ्तार किया गया था । दो शार्प शूटरों की गिरफ्तारी करने के बाद और अब रिमांड मंज ूर करने के बाद कई नई चौंकाने वाली जानकारी सामने आये ऐसी संभावना रही है । यहां उल्लेखनीय है कि, ७ जनवरी को अबडासा के भाजपा के पूर्व विधायक जयंती भानूशाली की सयाजीनगरी एक्सप्रेस ट्रेन में दो शार्प शूटर द्वारा हत्या की गई थी । भानूशाली की हत्या करने के बाद आरोपियों ने चेन खींचकर ट्रेन से उतर गये और फरार हो गये । प्राथमिक जांच के दौरान जानकारी मिली है कि, छबील पटेल और मलिक गोस्वामी यह केस पीछे मुख्य साजिशकर्ता है। डांग जिले में किसी जगह पर छिपे होने की जानकारी मिलने के बाद आतंकवाद विरोधी टीम के सदस्यों ने कार्रवाई शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बताये अनुसार भानूशाली की हत्या के मामले में शामिल रहे दो शार्प शूटर को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच चल रही है। यहां उल्लेखनीय है कि, मंगलवार को भचाऊ कोर्ट ने भाजपा के पूर्व विधायक छबील पटेल के विरूद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया । छबील पटेल भानूशाली हत्या केस के पीछे मुख्य आरोपी होने की आशंका है । कोर्ट ने क्रिमिनल प्रोसीडर कोड की धारा ७० के तहत यह वारंट जारी किया गया है। रेलवे पुलिस की पेशकश है कि छबील पटेल जांच में सहयोग नहीं कर रहे है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**